RNI No. : DELBIL/2005/15122

D.L. No. : DL (S)-01/3362/2019-21

# विद्याभारती संकुल संवाद

मासिक पत्रिका

E-mail : vbsankulsamvad@gmail.com

वर्ष-15 | अंक 12 | नवम्बर 2019 | विक्रमी सं. 2076 | मूल्य : एक रुपया

## 32 वाँ राष्ट्रीय खेलकूद समारोह सम्पन्न

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान द्वारा विद्या भारती जोधपुर प्रान्त में 32वाँ राष्ट्रीय खेलकूद (एथलेटिक्स) समारोह दिनांक 19 अक्टूबर से 23 अक्टूबर 2019 तक आदर्श शिक्षण संस्थान के अन्तर्गत शारदा बाल निकेतन उच्च माध्यमिक विद्यालय, नागौर में आयोजित हुआ।

विद्या भारती राजस्थान क्षेत्र के पूर्व छात्र प्रमुख श्री शरद जोशी ने बताया कि 19 अक्टूबर 2019 को विद्या भारती के राष्ट्रीय मंत्री श्री शिवकुमार शर्मा ने भगवा ध्वज लहराकर समारोह का उद्घाटन किया। सायंकाल को पूर्वछात्र परिषद् द्वारा खेल ज्योति यात्रा नागौर के हनुमान बाग कॉलोनी स्थित श्री हनुमान मन्दिर से नागौर के विभिन्न मुख्य मार्गों से होती हुई विद्यामंदिर के खेल प्रांगण में पहुँची। ज्योति यात्रा में विद्यामंदिर के भैया-बहनों द्वारा घोष वादन, माताएँ कलश लिए हुए, पूर्व छात्र तथा नागौर के प्रबुद्धजनों ने शामिल होकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

विद्या भारती जोधपुर प्रान्त के सचिव महेन्द्रकुमार दवे ने बताया कि 20 अक्टूबर 2019 को समारोह के मुख्य अतिथि श्री कैलाश चौधरी (केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री), अध्यक्षता श्री भंवरलाल कुलरिया (मुख्य संरक्षक जांगिड़ ब्राह्मण महासभा एवं समाजसेवी), विशिष्ट अतिथि श्री भंवरलाल सुथार (प्रबन्धक विक्रय, भारतीय जीवन बीमा निगम, जोधपुर) व श्री देवेन्द्र झाझड़िया (पैराओलम्पिक स्वर्णपदक विजेता, पद्मश्री, अर्जुन पुरस्कार एवं राजीव गांधी खेल रत्न) एवं मार्गदर्शन माननीय यतीन्द्र जी शर्मा (सह संगठन मंत्री, विद्या भारती), श्री श्रीराम आरावकर (राष्ट्रीय मंत्री), एम. व्ही. कुट्टी (अध्यक्ष, खेल परिषद् विद्या भारती), प्रोफेसर भरतराम कुम्हार (अध्यक्ष, विद्या भारती राजस्थान क्षेत्र) अतिथि के रूप में मंचस्थ रहे।

उद्घाटन के अवसर पर माननीय यतीन्द्र जी शर्मा ने अपने उद्बोधन में खिलाड़ियों से भारत का गौरव को बढ़ाने का आह्वान किया और कहा कि खेल को खेल की भावना से खेलना चाहिए, चाहे परिणाम कुछ भी हो।

आदर्श शिक्षण संस्थान, नागौर के अध्यक्ष श्री भोजराज सारस्वत ने बताया कि खेल समारोह के बीच 21 अक्टूबर को देशभर से आए हुए खिलाड़ी भैया-बहिनों को राजस्थान की लोक संस्कृति की छटा बिखेरने वाला रंगमंचीय कार्यक्रम शारदा बाल निकेतन के भैया-बहिनों द्वारा प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में लोक गीत, लोक नृत्य, मेवाड़ की पन्ना धाय के बलिदान से सम्बन्धित नाटक, दीपदान व विंग कमांडर अभिनन्दन के शौर्य को प्रकट करने वाला एकांकी नाटक से दर्शक प्रभावित हुए।

खेल समारोह का समापन 23 अक्टूबर 2019 को हुआ। समारोह में विशिष्ट अतिथि कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ (सांसद, जयपुर ग्रामीण एवं ओलम्पिक रजत पदक विजेता खिलाड़ी व निशानेबाज), अध्यक्षता श्री अशोककुमार समदड़िया (अध्यक्ष, श्रीफल वृद्धि पार्श्वनाथ तीर्थ ट्रस्ट), मार्गदर्शन श्री शिवकुमार शर्मा (मंत्री, विद्या भारती) मंचासीन रहे। सभी अतिथियों को श्रीफल, स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

श्री शिवकुमार शर्मा ने समापन अवसर पर अपने उद्बोधन में बताया कि विद्या भारती संस्कृति को केन्द्र में रखकर शिक्षा प्रदान करने वाला संगठन है। खेल समारोह में आए हुए खिलाड़ी भैया-बहनों ने राष्ट्रीय एकात्मता का भाव प्रकट करते हुए, भारत के प्रति आत्मीयता, खेल भावना, अनुशासन और हम भारत माता के पुत्र हैं, ऐसा मानकर अपने प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उन्होंने बताया कि जीवन भी एक खेल है, अतः आत्मा की अमरता को प्राप्त करने का प्रयास किया जाना चाहिए।

आदर्श शिक्षण संस्थान, नागौर के जिला सचिव श्री रामसिंह राठौड़ ने बताया कि विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित 32वाँ राष्ट्रीय खेलकूद समारोह में माननीय शिवप्रसाद जी (संगठन मंत्री, विद्या भारती राजस्थान क्षेत्र) सहित विद्या भारती जोधपुर प्रान्त के पदाधिकारी एवं सदस्य, स्थानीय समिति आदर्श शिक्षण संस्थान, नागौर के पदाधिकारी तथा नागौर के स्थानीय माताओं एवं प्रबुद्धजनों का पूरा समय सहयोग प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के अंत में आदर्श शिक्षण संस्थान के अध्यक्ष श्री भोजराज सारस्वत ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

विद्या भारती खेल सचिव श्री दुर्गसिंह राजपुरोहित ने बताया कि इस समारोह में देश के 11 क्षेत्रों के कुल 695 भैया-बहन खिलाड़ी, 97 निर्णायक उपस्थिति रहे। खेल समारोह में एथलेटिक्स से सम्बन्धित 90 प्रतिस्पर्धाओं में अलग-अलग वर्गानुसार खिलाड़ी भैया-बहिनों ने अपना प्रदर्शन किया। पदक तालिका निम्न है :-

गंगाविष्णु बिश्नोई
जोधपुर।

| क्षेत्र | स्वर्ण | रजत | कांस्य | अंक |
|---|---|---|---|---|
| पूर्वी उत्तरप्रदेश क्षेत्र | 20 | 10 | 11 | 151 |
| पश्चिमी उत्तरप्रदेश क्षेत्र | 9 | 10 | 14 | 98 |
| पश्चिम क्षेत्र | 11 | 5 | 4 | 84 |

## 32वीं अखिल भारतीय नेटबॉल प्रतियोगिता सम्पन्न

विद्या भारती की 32वीं अखिल भारतीय नेटबॉल प्रतियोगिता का उद्घाटन दिनांक 01 नवंबर 2019 को सरस्वती शिशु मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय सिंचाई कॉलोनी, छतरपुर (म.प्र.) में सम्पन्न हुई।

प्रतियोगिता में देश के तीन क्षेत्रों से 124 भैया-बहनों ने भाग लिया। दो दिवसीय इस प्रतियोगिता में मध्य क्षेत्र ने वरीयता प्राप्त की। मध्य क्षेत्र को 04 गोल्ड, 02 सिल्वर मेडल प्राप्त हुआ। इस प्रतियोगिता में खेल अधिकारी के रूप में श्री भास्कर वड्नेकर, खेल संयोजक श्री कांत खरे, सह संयोजक श्री रवीन्द्र मोहन शर्मा उपस्थित रहे।

प्रतियोगिता के समापन दिवस (02 नवंबर 2019) पर विशिष्ट अतिथि विभाग समन्वयक श्री मुद्रिका प्रसाद दूबे ने विजेता वर्ग को पुरस्कार प्रदान कर आगामी एस.जी.एफ.आई. प्रतियोगिता में सहभागिता हेतु शुभकामनाएँ दी।

## 32वीं राष्ट्रीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता

सरस्वती शिशु/विद्या मंदिर उ.मा.विद्यालय महावीर पुरा, गुना में 32वीं अखिल भारतीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता (11 से 13 अक्टूबर 2019) का शुभारम्भ एवं विद्यालय में स्थापित बॉक्सिंग रिंग का उद्घाटन विद्याभारती मध्यभारत प्रान्त के संगठन मंत्री श्री हितानन्द शर्मा के द्वारा हुआ। प्रतियोगिता के विशेष अतिथि के रूप में हॉकी के राष्ट्रीय खिलाड़ी श्री राधेश्याम गुप्ता व भारतीय खेल प्राधिकरण के अंतराष्ट्रीय कोच श्री जयवीर सिंह एवं मध्य क्षेत्र के सह खेल प्रमुख श्री मनीष बाजपेयी मंचासीन रहे।

अतिथियों द्वारा कार्यक्रम शुभारंभ के पूर्व विद्या भारती की ध्वज पताका फहराई गई। मुख्य अतिथि श्री हितानंद शर्मा ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन के हर क्षेत्र में विकास के लिए शिक्षा के साथ खेल जरूरी है। खेल के माध्यम से देश को ऊँचे स्तर तक ले जाने में खिलाड़ियों का महत्त्वपूर्ण योगदान होता है। श्री शर्मा ने आगे कहा कि बैडमिंटन के क्षेत्र में पी.वी. संधु, बॉक्सिंग में विजेन्दर सिंह व मेरीकोम ने भारत का परचम पूरी दुनियाँ में लहराया है। माननीय अतिथियों द्वारा बॉक्सिंग रिंग का उद्घाटन कर प्रतियोगिता आरम्भ हुई।

समापन के अवसर पर कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि क्षेत्रीय सांसद (गुना) डॉ. के.पी. यादव उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता के रूप में श्री शिरोमणी दुबे (मध्य भारत प्रांत अध्यक्ष), विशेष अतिथि श्री गोपीलाल जाटव (गुना विधायक) उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री दिनेशचन्द्र शर्मा (विभाग कार्यवाह गुना) ने की। मुख्य अतिथि डॉ. के.पी. यादव ने विजेता प्रतिभागियों को मेडल व प्रमाण पत्र प्रदान कर आगामी प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं।

अखिल भारतीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता में 6 क्षेत्रों से 102 भैया और 37 बहनों ने भाग लिया। सरंक्षक आचार्य-आचार्या 37 एवं निर्णायक मण्डल के 10 सदस्य उपस्थित रहे।

## यशोधरा राजे सिंधिया ने किया 32वीं राष्ट्रीय खेलकूद समारोह का उद्घाटन

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान द्वारा 32वें अखिल भारतीय खेलकूद समारोह का आयोजन सरस्वती विद्यापीठ आवासीय विद्यालय शिवपुरी (म.प्र.) में दिनांक 19 से 22 अक्टूबर 2019 तक आयोजित की गई। जिसका उद्घाटन श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया (पूर्व कैबिनेट मंत्री, मध्यप्रदेश शासन) ने किया।

खेलों की श्रृंखला में इस वर्ष 32वें अखिल भारतीय खेलों में हैण्डबॉल, फिल्ड आर्चरी तथा थाई बॉक्सिंग की प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें देश के नौ क्षेत्रों से कुल 640 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री शिरोमणि दूबे (प्रादेशिक अध्यक्ष, सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान मध्य भारत) द्वारा की गई।

विशिष्ट अतिथि के रूप में विद्याभारती के श्री भागवतदास अस्तुरे, श्री ज्ञानसिंह कौरव (विभाग समन्वयक शिवपुरी) एवं श्री मनीष वाजपेयी (प्रान्तीय खेल प्रमुख) उपस्थित रहे।

समारोह को संबोधित करते हुए श्रीमती राजे ने कही कि मैने अपने कार्यकाल में कई खेल नीतियों पर कार्य कर प्रदेश को खेल जगत में एक नई पहचान देने की कोशिश की है और हमेशा देती रहूंगी।

इस खेल समारोह में विभिन्न क्षेत्रों के खिलाड़ी, कोच, मैनेजर, पत्रकार तथा नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

# साहित्य विमोचन एवं साहित्यकार सम्मान समारोह

विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान द्वारा शैक्षिक एवं बाल साहित्य पर आधारित दिनांक 12 नवंबर 2019 को 21 पुस्तकों का विमोचन किया गया। इस अवसर पर पुस्तकों के लेखकों को 'संस्कृति भवन साहित्य-सेवा सम्मान' से अलंकृत किया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि प्रो. अवनीश कुमार, अध्यक्ष, वैज्ञानिक तथा तकनीकि शब्दावली आयोग, भारत सरकार थे। विशिष्ट अतिथि थानेसर के विधायक सुभाष सुधा थे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता महात्मा गाँधी अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा के कुलपति प्रो. रजनीश शुक्ला ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुई।

संस्थान के सचिव श्री अवनीश भटनागर ने विमोचन हेतु प्रस्तुत पुस्तकों का परिचय एवं उनके लेखकों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि साहित्य का सम्मान किसी चीज से मुल्यांकित नहीं किया जा सकता। एक साथ 21 पुस्तकों का विमोचन होना संस्थान के लिए गौरव का विषय है। वास्तव में यह संस्थान इस सम्मान से स्वयं सम्मानित हो रहा है। कार्यक्रम में लेखकों को पगड़ी पहनाई गई और सम्मान स्वरूप स्मृति चिन्ह, श्रीफल, अंगवस्त्र एवं नकद राशि प्रदान की गई। इस अवसर पर संस्थान के संगठन सचिव श्री श्रीराम आरावकर, विद्या भारती के राष्ट्रीय मंत्री श्री शिवकुमार जी, यू.आई.ई.टी. के निदेशक सी.सी. त्रिपाठी भी उपस्थित रहे।

अध्यक्ष श्री ललितबिहारी गोस्वामी ने कार्यक्रम की भूमिका प्रस्तुत करते हुए कहा कि संस्कृति भवन ज्ञान के विस्तार में लगा हुआ है। संस्थान का अपना शोध विभाग भी है। और अब इसे कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से सम्बद्ध किया गया है। उन्होंने कहा कि साहित्य लेखन में बड़ा परिश्रम होता है। बौद्धिक, मानसिक हर प्रकार का तब जाकर कुछ निर्माण एवं रचना होती है। इतना सब होने के बाद एक इच्छा मन में रहती है कि मेरी रचना को मर्मज्ञ लोग देखें, पढ़े और उसका अध्ययन करें।

मुख्यातिथि प्रो. अवनीश कुमार ने कहा कि भाषा और गणित दो ऐसे विषय हैं, जिसमें पारंगत हुए बिना स्वयं की और राष्ट्र की उन्नति नहीं हो सकती। हमें अपनी भाषा और गणित में पारंगत होना ही होगा। ज्ञान-विज्ञान की अभिव्यक्ति हमें अपनी भाषा में करनी चाहिए। भाषा, संस्कृति और विकास आपस में जुड़े हुए हैं। हिन्दी एवं भारतीय भाषाओं के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय के दो विभाग काम कर रहे हैं।

थानेसर के विधायक सुभाष सुधा ने कहा कि विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान की पुस्तकें संस्कारप्रद हैं। इन्हें पढ़ने से बच्चों में अच्छे संस्कार आते हैं।

महात्मा गाँधी अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा के कुलपति प्रो. रजनीश शुक्ला ने कहा कि वर्तमान समय में भारत में ज्ञान परंपरा, भारत में शिक्षण प्रवृत्ति, भारत में शिक्षा का उद्देश्य किन संदर्भों में होना चाहिए, उसको देखना है तो गाँधी, विनोबा एवं दीनदयाल की परंपरा में देखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि शिशु शिक्षा या व्यस्क शिक्षा, प्राथमिक या उच्च शिक्षा उसी भाषा में होनी चाहिए, जिसमें वह सपने देखता है। भारत की शिक्षा की असफलता का सबसे बड़ा कारण यही है कि यहाँ का शिक्षित युवा सपने नहीं देख पाता है।

## ये लेखक हुए संस्कृति भवन साहित्य-सेवा सम्मान से अलंकृत--

दिलीप बेतकेकर (गोवा), डॉ. ओरुगंटि सीताराम मूर्ति (विशाखापत्तनम), डॉ. श्रीराम चौथाईवाले (पूणे), देवेन्द्रराव देशमुख (रायपुर), वासुदेव प्रजापति (जोधपुर), डॉ. विकास दवे (इंदौर), डॉ. वेदमित्र शुक्ल (दिल्ली), गोपाल माहेश्वरी (इंदौर), डॉ. नीलम राकेश (लखनऊ), डॉ. मंजरी शुक्ला (पानीपत), डॉ. फकीरचंद शुक्ला (लुधियाणा), डॉ. देवेन्द्र दास (गुवाहाटी, असम)।

कार्यक्रम के अंत मे संस्थान के कोषाध्यक्ष डॉ. पंकज शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

# ज्वालादेवी सरस्वती विद्या मंदिर में पूर्व छात्र सम्मेलन

ज्वाला देवी सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कॉलेज, सिविल लाइन्स, प्रयागराज विद्यालय में पुरातन छात्र सम्मेलन का आयोजन 30 अक्टूबर 2019 को किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विद्यालय के पूर्व छात्र डॉ. प्रखर जायसवाल (एम.एस., बी.एच.यू.), अध्यक्ष भारतीय शिक्षा समिति काशी, प्रदेश निरीक्षक श्री राम जी सिंह व विशिष्ट अतिथि के रूप में विद्यालय के कोषाध्यक्ष श्री सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव एवं विद्यालय प्रबन्ध समिति श्री राकेश सिंह सेंगर उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि पुरातन छात्रों को अपने विद्यालय के विकास में सकारात्मक और रचनात्मक सहयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिस विद्यालय से पढ़कर हम किसी योग्य बने हैं, उसके प्रति हमारा भी दायित्त्व बनता है कि हम उसके विकास में अपना सहयोग प्रदान करें।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रदेश निरीक्षक ने कहा कि पुरातन छात्र सम्मेलन का मुख्य उद्‌देश्य यह है कि यह संगठन न केवल अपने वर्तमान छात्रों को बल्कि अपने पुरातन छात्रों के साथ भी आजीवन अटूट सबन्ध स्थापित रखना चाहता है।

कार्यक्रम में लगभग 200 पुरातन छात्रों एवं अन्य अतिथिगण उपस्थित थे। आए हुए पुरातन छात्रों ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि पुराने भवन में शिक्षा प्राप्त कर हमने सीखा है कि बिना सुविधाओं के भी आगे बढ़ा जा सकता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ जो संस्कार हम अपने गुरुओं से प्राप्त किए हैं, वह हमारे संपूर्ण जीवन के कार्यों में झलकता है। पुरातन छात्र एवं गुरुजन मिलकर अपने अनुभवों और गतिविधियों के समन्वय से शिक्षा और विद्यार्थियों के विकास के नए मानक स्थापित कर सकते हैं।

# संकुल स्तरीय बौद्धिक प्रतियोगिता में भीनमाल का दबदबा

आदर्श विद्या मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय में विद्या भारती जोधपुर प्रांत द्वारा संकुल स्तरीय मौखिक बौद्धिक प्रतियोगिता सम्पन्न हुई। प्रतियोगिता में भीनमाल विद्यालय का दबदबा रहा। प्रतियोगिता प्रभारी कपूराराम दर्जी ने बताया कि विद्या भारती जोधपुर प्रांत द्वारा आयोजित मौखिक बौद्धिक प्रतियोगिता में रानीवाड़ा, मालवाड़ा, जसवंतपुरा, रामसीन सहित भीनमाल के 7 विद्यालयों ने भाग लिया। जिसमें भीनमाल के भैया-बहिनों ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। जिला प्रवासी कार्यकर्ता मनोहरलाल सोलंकी ने कहा कि प्रतियोगिता के माध्यम से छात्रों में मानसिक, बौद्धिक विकास के साथ-साथ सर्वांगीण विकास भी होता है। निरन्तर प्रतियोगिता के द्वारा छात्र असीम ऊँचाईयों तक पहुँचता है। निर्णायक के रूप में देवीसिंह चूंड़ावत, मनोहरलाल सोलंकी एवं कल्पना माहेश्वरी रहे।

# प्रांतीय संस्कृति महोत्सव 2019

भैया-बहनों के सर्वांगीण विकास की दृष्टि से साहित्य, संगीत और कला के रूप में संस्कृति महोत्सव का आयोजन हर वर्ष विद्यालय स्तर से लेकर अखिल भारतीय स्तर तक किया जाता है। इसी क्रम में दो दिवसीय प्रांतीय संस्कृति महोत्सव का आयोजन सरस्वती शिशु विद्या मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय महावीर पुरा, गुना (म.प्र) में किया गया।

संस्कृति महोत्सव का शुभारम्भ मुख्य अतिथि श्री गोपीलाल जी जाटव (विधायक गुना) एवं मुख्य वक्ता श्री कांतिलाल जी चतर (अध्यक्ष-ग्राम भारती सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान) उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री जय सिंह ठाकुर (प्राचार्य सीहोर शिशु मंदिर) ने की।

प्रांतीय सांस्कृतिक प्रमुख श्री जयसिंह ठाकुर ने संस्कृति महोत्सव के उद्‌देश्य पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यदि हमारे छात्रों का आधुनिक ज्ञान-विज्ञान के साथ हमारी महान संस्कृति, गौरवपूर्ण इतिहास, महापुरुषों के जीवन-चरित्र, श्रेष्ठ राष्ट्रीय परम्पराओं का परिचय कराया जाए तो आज के निराशापूर्ण वातावरण में आशा की किरण उत्पन्न कर विद्यार्थी जगत में अपेक्षित परिवर्तन होंगे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री गोपीलाल जाटव ने भैया/बहिनों को शुभकामनाऐं देते हुए कहा कि संस्कृति महोत्सव एक सर्वोत्तम मंच है जो आपकी अन्दर छुपी हुई प्रतिभा को सामने लाता है।

इस प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश के 16 जिलों के 60 विद्यालयों से 454 भैया/बहिनों ने शास्त्रीय नृत्य, शास्त्रीय गायन, तबला वादन, एकल अभिनय, रंगोली, सामान्य प्रश्नमंच, आचार्य पत्रवाचन, कविता पाठ व रामायण की चौपाइयों से सजी मानस प्रथमाक्षरी आदि प्रतियोगिताओं में अपनी कला का प्रदर्शन किया।

महोत्सव के समापन अवसर पर पुरस्कार वितरण मुख्य अतिथि श्री अशोक अग्रवाल (श्रेत्रीय सेवा प्रमुख, आर.एस.एस) ने किया। मुख्य वक्ता श्री शिरोमणी दूबे (प्रांतीय अध्यक्ष-मध्यभारत), विशेष अतिथि श्री राजेन्द्र सिंह सलूजा (नगरपालिका अध्यक्ष-गुना) एवं क्षेत्रीय शिशु वाटिका प्रमुख श्री हुकुमचन्द्र भुवन्ता मंचासीन रहे।

# प्रादेशिक विद्वत परिषद् गोष्ठी

शिक्षा विकास समिति उड़ीसा के प्रादेशिक विद्वत परिषद् के योजनानुसार इस वर्ष 05 स्थानों पर संगोष्ठि का आयोजन हुआ। 07 सितंबर 2019 को भुवनेश्वर महानगर सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, नीलाद्री विहार में ''नई शिक्षा नीति प्रणयन एवं प्रवर्तन में शिक्षकों की भूमिका'' विषय पर गोष्ठी आयोजित की गई। जिसमें डॉ. सूर्यमणि बेहेरा अवकाश प्राप्त उच्च शिक्षा निदेशक तथा लेखक मुख्य अतिथि एवं डॉ. किशोर चंद्र महंत राष्ट्रीय मंत्री विद्या भारती उपस्थित रहे।

15 सितंबर 2019 को संबलपुर के डी.आई.ई.टी. के सभागार में ''शिक्षा संस्कृति समाज पारस्परिक संपर्क'' विषय पर गहन चर्चा हुई। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. मीनकेतन पुरोहित अवकाश प्राप्त शिक्षण प्रशिक्षण महाविद्यालय के प्राचार्य तथा वक्ता डॉ. बाछानिधि पंडा, क्षेत्रीय विद्या भारती उपस्थित रहे।

22 सितंबर 2019 को राउरकेला के सेक्टर 06 में स्थित सरस्वती शिशु मंदिर के प्रांगण में ''शिक्षा और सामाजिक विकास'' विषय पर गहन चर्चा कर गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में डॉ. शंकर प्रसाद त्रिपाठी (आर.आई.एम. एस.) प्राचार्य एवं डॉ. ज्योत्सना पट्टनाईक अवकाश प्राप्त प्राचार्या एवं डॉ. अभयकुमार दास उपस्थित रहे।

20 अक्टूबर 2019 को कटक महानगर स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर तुलसीपुर में ''शिक्षा और जीवनमूल्य'' विषय पर गोष्ठि आयोजित हुई जिसमें डॉ. प्रमोदकुमार महापात्र (विज्ञान वार्ता पत्रिका के संपादक) एवं प्रोफेसर दिनेश पट्टनायक (अवकाश प्राप्त रेवेंसा विश्वविद्यालय, कटक), डॉ. किशोर चंद्र महंत (राष्ट्रीय मंत्री विद्या भारती), श्री गोविन्द चंद्र महंत (सह संगठन मंत्री विद्या भारती), श्री दिवाकर घोष (पूर्वी क्षेत्र संगठन मंत्री) उपस्थित रहे।

03 नवंबर 2019 को ब्रह्मपुर के सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, नीलकंठ नगर में ''शिक्षा और सर्वांगीण विकास'' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन हुआ। जिसमें डॉ. लक्ष्मीकांत त्रिपाठी जी (आंचलिक उच्च शिक्षा निदेशक ब्रह्मपुर), डॉ. विनायक दास अवकाश प्राप्त अध्यक्ष तथा शिक्षा विकास समिति, ओड़िशा के सभापति डॉ. किशोर चंद्र महांत (राष्ट्रीय मंत्री विद्या भारती) उपस्थित रहे।

श्री रूद्रनारायण बेहेरा जी प्रांत संयोजक विद्वत परिषद् के कुशल नेतृत्व में उपरोक्त 05 संगोष्ठियों का सफल आयोजन हुआ। इन सभी गोष्ठियों में कुल 321 शिक्षाविद् तथा विद्वतजनों की उपस्थिति रही। इन सभी शिक्षाविदों में 15 पुस्तक लेखक, 03 चिकित्सक, 07 शिक्षा प्रशासनिक अधिकारी, 25 महाविद्यालयों के प्राचार्य, 52 अध्यापक और प्राध्यापक एवं 17 प्रधानाचार्य हैं।

# प्रख्यात बालकवि रामकुमार गुप्त का काव्य पाठ

विद्या भारती विद्यालय सनातन धर्म सरस्वती शिशु मंदिर मिश्राना, लखीमपुर (उ.प्र.) में आयोजित शिशु सभा में प्रख्यात बालकवि रामकुमार गुप्त ने भैया-बहनों के मध्य काव्य पाठ प्रस्तुत किया। उन्होंने बालकों की रुचि के अनुसार 'मोटूमल' 'तितली' 'मच्छर' तथा संस्कार जाग्रत करने वाली 'तुलसी का बिरवा', 'फूल और काँटा' तथा 'हमारा भारत देश महान' जैसी प्रेरणादायी कविताएँ सुनाकर शिशु मंदिर परिवार का मन विभोर कर दिया।

इसके पूर्व विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री मुनेन्द्र दत्त शुक्ल ने उनका परिचय एवं स्वागत करते हुए बताया कि श्री रामकुमार गुप्त जी खीरी जिले के जाने माने बाल कवि हैं। उनकी बाल कविताएँ आकाशवाणी लखनऊ से प्रसारित होती रहती है। श्री रामकुमार गुप्त बाल साहित्य संस्थान अल्मोड़ा, राजनारायण चौधरी शिखर बाल साहित्य सम्मान दरभंगा (बिहार) तथा भारतीय बाल कल्याण संस्थान कानपुर में तत्कालीन महामहिम राज्यपाल श्री रामनाईक के कर कमलों से सम्मानित हो चुके हैं।

# राष्ट्रीय एथलेटिक्स में विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र की उपलब्धियाँ

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के तत्त्वावधान में राजस्थान के नागौर में 32वीं राष्ट्रीय एथलेटिक्स खेल-कूद समारोह सम्पन्न हुआ। जिसमें बाल किशोर एवं तरूण वर्ग के छात्र-छात्राओं ने सक्रियता से भाग लेकर श्रेष्ठ प्रदर्शन किया। विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र से 32 छात्र-छात्राओं ने इस समारोह में सहभागिता की, जिसमें 4 रजत व 6 कांस्य पदक जीतकर अपने विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम रौशन किया। विजेता छात्र-छात्राओं को गुवाहाटी पहुँचने पर शंकरदेव विद्या निकेतन विष्णुपथ में सम्मानित करने हेतु एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस सम्मान समारोह में विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के सह संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी, क्षेत्रीय उपाध्यक्षा श्रीमती अनिमा शर्मा, क्षेत्रीय खेल प्रमुख रंजित शैकिया, शिशु शिक्षा समिति के उच्च विद्यालयों के समिति के सचिव श्री वशिष्ठराम डेका व शंकरदेव शिशु निकेतन गुवाहाटी संकुल के प्रधानाचार्य व प्रबंध समिति के प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# प्रांतीय गणित विज्ञान मेला का आयोजन

सरस्वती ग्राम शिक्षा समिति, छत्तीसगढ़ की प्रांतीय गणित विज्ञान मेला सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सेन्दरी, कोनी, बिलासपुर में आयोजित हुआ। इस विज्ञान मेला में श्री बसंत अंचल जी क्रीड़ा अधिकारी सा.जे.एम.पी. महाविद्यालय तखतपुर, मा. जिला संघचालक बिलासपुर एवं श्रीमती दिव्या चंदेल व्याख्याता शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल रानीगांव, बिलासपुर, श्री जुरावन सिंह ठाकुर (प्रांतीय अध्यक्ष) के विशेष आतिथ्य में संपन्न हुआ।

इस गणित विज्ञान मेला में पूरे प्रांत के सभी जिले से 200 भैया-बहन, 48 संरक्षक आचार्य-आचार्या सहित कुल 248 लोगों की सहभागिता हुई। इस कार्यक्रम में भैया-बहनों द्वारा विज्ञान प्रदर्श, विज्ञान प्रश्नमंच, विज्ञान पत्रवान, विज्ञानात्मक प्रयोग, वैदिक गणित प्रश्नमंच व पत्रवाचन, गणित प्रदर्श, गणित प्रयोगात्मक एवं आचार्य पत्रवाचन का कार्य संपन्न हुआ।

इस मेले का उद्देश्य बच्चों को विज्ञान के क्षेत्र में प्रचीण एवं अरवाचीन उपलब्धियों से अवगत कराते हुए उनमें क्रिया आधारित अध्ययन, अवलोकन, अन्वेषण एवं संश्लेषण प्रवृत्ति का विकास करना एवं वैज्ञानिक नवाचार को प्रोत्साहित करना है। इस अवसर पर प्रतिभागी भैया-बहनों में श्रेष्ठ पदर्शन करने वाले भैया-बहनों को अतिथियों ने पुरस्कार भेंट किया।

कार्यक्रम में श्री चिंताराम शाहू, श्री राजेश चक्रधारी वैदिक गणित प्रांत प्रमुख, श्री डामण जोशी विज्ञान प्रांत प्रमुख उपस्थित रहे। निर्णायक मण्डल के श्रीमति हेमलता शाहू, कुमारी पूणिता जलतारे, श्री पेशीराम शाहू, श्री हेमंत शाहू, श्री रामकुमार गढ़बाल श्री महेश सूर्यवंशी उपस्थित रहे।

# मेधावी छात्र अलंकरण समारोह

सरस्वती ग्राम शिक्षा समिति छत्तीसगढ़ द्वारा मेधावी छात्र अलंकरण एवं संस्कृति महोत्सव 12 से 14 अक्टूबर 2019 को सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक आवासीय विद्यालय सेंन्दरी कोनी, बिलासपुर में आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम में भैया-बहनों ने अनेक विधाओं के माध्यम से अपने बौद्धिक क्षमता का प्रकटीकरण किया जिसमें राष्ट्रभक्ति गीत, भजन, प्रश्नमंच, अंत्याक्षरी, तबला वादन, शास्त्रीय नृत्य, शास्त्रीय गायन, तात्कालिक भाषण, सुलेख प्रतियोगिता, चित्रकला, रंगोली आदि विधाएँ शामिल थी।

इस समारोह के मुख्य अतिथि श्री रजनीश ठाकुर (विधायक, बेलतरा विधानसभा) ने सरस्वती शिशु मंदिर की शिक्षा एवं संस्कार की सराहना किया।

डॉ. श्यामलाल जी निराला (प्राचार्य शासकीय बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर) ने धन्यवाद देते हुए कहा कि सरस्वती शिशु मंदिर 1 लाख 70 हजार परिवार को संस्कारित करने का कार्य कर रही है। यह ग्रामीण शिक्षा के माध्यम से बहुत बड़ी उपलब्धि है। इस अवसर पर श्री अभयसिंह ठाकुर (प्रांतीय अध्यक्षऋ, श्री ठाकुराम कुर्रे (प्रांतीय सचिव) एवं श्री भागवतदास अस्तुरे अतिथि स्वरूप मंचासीन रहे।

समारोह में पूरे प्रांत के सभी जिलों के 107 विद्यालयों से 439 भैया-बहिन, 107 संरक्षक आचार्य-आचार्या सम्मिलित हुए। जिसमें से 26 भैया-बहनों को प्रथम, द्वितीय व तृतीय को पदक एवं क्रमशः 1500 रू., 1200 रू, 1000 रू. की नकद राशि एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

# नानक नाम जहाज है, चढ़ै सो उतरे पार

श्री गुरुनानक देव जी के 550वें प्रकाशपर्व के उपलक्ष्य में दिनांक 11 नवंबर 2019 को कुरुक्षेत्र में निकाले गए नगर कीर्तन का विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान, कुरुक्षेत्र व राष्ट्रीय सिक्ख संगत, कुरुक्षेत्र की ओर से संयुक्त रूप से स्वागत किया गया। इस अवसर पर संस्कृति शिक्षा संस्थान के अध्यक्ष डॉ. ललितबिहारी गोस्वामी, संगठन के सचिव श्री श्रीराम आरावकर, निदेशक डॉ. रामेन्द्र सिंह व डॉ. पंकज शर्मा ने पंज प्यारों को पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। वहीं राष्ट्रीय सिक्ख संगत कुरुक्षेत्र के कैप्टन परमजीत सिंह ने भी पंज प्यारों को सरोपे भेंट किए।

इस अवसर पर विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान में देशभर से आए लेखकों, साहित्यकारों ने भी नगर कीर्तन का स्वागत एवं अपनी सेवाएँ प्रदान की। इस अवसर पर श्री देवेन्द्रराव देशमुख (रायपुर), श्री वासुदेव प्रजापति (जोधपुर), श्री गोपाल माहेश्वरी (इंदौर), डॉ. ओरुगंटी सीताराम मूर्ति (विशाखापत्तनम) व श्री दुर्गसिंह जी राजपुरोहित (जोधपुर) सहित स्थानीय समाज के कई गणमान्य व्यक्ति भी इस सेवा में सम्मिलित हुए।

इसी प्रकार दिनांक 11 नवंबर 2019 को सरस्वती विद्या मंदिर शुजालपुर मंडी (म.प्र.) सहित विद्या भारती की सभी प्रांत के विद्यायलों में परमपूज्य गुरुनानक देव जी के 550वें प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में सिक्ख समाज के प्रबुद्धजनों को आमंत्रित कर उनका सम्मान किया गया।

# Parents Prasikshan Programme Organised in Vijaywada, A.P.

Date: 19.10.2019

A meet with parents from Class I to V was organised in the Sri Vignana Vihara EM School,CBSE, Enikepadu, Vijayawada (A.P.) More than 70 parents participated and a good and informative session took place. Sri J.M. Kashipati Ji, All India Organising Secretray of Vidya Bharati was the guest speaker in this meet. He talked of importance of good parenting and management in the course of children's development. He pointed out that once the parents are more close and friendly with their children, the youth or the upcoming generation will not be addicted to the latest tech emotions like mobiles, FB, Internet etc. He advised to inculcate a habit of a NO MOBILE day in a week, which will surely fill the gap and make parenting a happy living process. Later there was an interactive session with the parents, where many suggestions were shared for the overall development of the children through the teachings in school.

On this occasion, students who participated in All India Competitions at various levels (Sankul, Prant, Khetra & National level) displayed their prize winning activities, paper presentation etc. Students and the respective teachers were felicitated by Kasipathi Ji. Vidya Bhartai officials, School Committee members, Teachers, also participated.

A similar programme was also organised in Sri Vignana Vihara EM School, Satyanarayanapuram, Vijayawada also in the morning session with similar guidelines.

A meet with parents exclusively of LKG/UKG/Preprimary was organised where in more than 60 parents participated. A good and informative session took place. The LKG/UKG students performed various activities under the guidance of Sishu Vatika trained teachers in the presence of parents and other eminent guests.

# BSS J&K holds workshop on "Jammu Kashmir Naye Paripekshya Me" by Prachar Vibhag

Jammu: After the revocation of Article 370 & Article 35-A and subsequent decision of Centre to reorganize Jammu and Kashmir State into two Union Territories i.e. Jammu-Kashmir and Ladakh, both the newly formed UTs will gain immensely in all spheres of development besides elimination of separatist ideology and terrorism from Kashmir valley.

These were the views expressed by various speakers during a day-long workshop organized by the Prachar Vibhag of Bhartiya Shiksha Samiti (BSS), J&K on the topic "Jammu Kashmir Naye Paripekshya" at Narayan Bhawan Hall, Ambphalla.

Prof. (Dr.) Keshav Sharma (Dean Academic Affairs, University of Jammu) was the chief guest of the inaugural ceremony whereas, Shri Rajendra Kumar, Regional Prachar Pramukh of BSS North Region was the key speaker. Shri Ved Bhushan, Chairman BSS J&K, Shri Pradeep Ji Prant Pramukh BSS J&K, Dr. Vivek Sharma Prachar Prabhari J&K, Shri Amit, Dr. Naresh and others were also present on the occasion.

Prof. Keshav threw light on the various aspects of business, economy and education which got affected for seven long decades owing to Article 370 and Article 35-A. He expressed that both the newly formed UTs will usher in era of peace and development.

Shri Rajendra Kumar dwelt in detail about the damages caused by the discriminatory Articles that were incorporated in the Constitution of India by the then Prime Minister. He said it was due to these temporary provisions that separatist thought got fuel in the Kashmir Valley which ultimately led to mis-governance and emergence of terrorism.

These provisions indirectly helped Pakistan to further its anti-India agenda in Kashmir. Hence, it was necessary to revoke these. And, the present dispensation at Centre did the right thing by revoking these Articles and reorganizing J&K State into two UTs," he added.

On the occasion, inaugural edition of the Bhartiya Shiksha Samiti J&K's montly E-Newsletter "Shiksha Sandesh" was also launched by the dignitaries. The newsletter is a composition of events organized in different schools under BSS J&K.

In the second session, Prof Deepanker Sen Gupta, Deptt of Economics, University of Jammu was the key speaker. He spoke on the different

RNI No. : DELBIL/2005/15122
D.L. No. : DL (S)-01/3362/2019-21
Date of Posting -24-25 November, 2019

changes and transitions to follow in Jammu-Kashmir after the revocation of Article 370 and Article 35-A. He mentioned that several Provisions of Centre will be directly applicable in UTs of Jammu-Kashmir and Laddakh which was otherwise not a case. "The UT of Jammu Kashmir will attract investment on large scale which will fuel growth and development and create lot of opportunities for youth."

In the later session, Shri Pradeep Ji spoke in length on 'Accession Day' of J&K with Union of India. He said though on document J&K become part of India 72 years ago but it was August 5, 2019 when J&K got merged into Union of India in true sense as Article 370 and Article 35-A fuelled separatist tendency in Kashmir for 70 long years. He also expressed optimism that UT of J-K and Laddakh will march towards a new era. Pradeep Ji also took a brief question-answer session related to Article 370 & Article 35-A and its related matters.

On the occasion, Shri Devender Sharma was appointed as Sah Prachar Pramukh, whereas Dr Ajay Kumar was appointed as Sah Vidwat Pramukh. The programme concluded with vote of thanks by Dr. Naresh.

## पूर्व छात्रों का अभिनव प्रयास

विद्या भारती पूर्व छात्र परिषद् के तत्वावधान में 'पूर्व छात्र परिषद् दिल्ली एन.सी.आर. की अध्यक्षा श्रीमती प्रतिभा जी ने अभी तक अपने सहयोगियों के साथ तीन प्रकार के कार्यों पर अत्यधिक बल दिया।

1. गरीब बच्चों की पढ़ाई में सहयोग,
2. पाकिस्तान से दिल्ली प्रांत में आए परिवारों के लिए सर्वांगीण विकास का प्रयास।
3. विद्या भारती संस्कृति ज्ञान परीक्षा के लिए प्रयास,

पूर्व छात्रों द्वारा पहला कार्य गरीब बच्चों के लिए अभी उन बच्चों को सहयोग किया गया जो बच्चे विद्या भारती द्वारा संचालित विद्यालयों में या तो पढ़ते हैं या पढ़ने हेतु इच्छुक हैं। अभी तक 7 अभावग्रस्त बच्चों के लिए 1000 रुपये प्रतिमाह की व्यवस्था की गई है। इन बच्चों को विद्या भारती दिल्ली प्रांत की तीन विद्यालयों में पढ़ने हेतु नामांकन कराया गया है। अभी और अभावग्रस्त बच्चों के लिए पूर्वछात्रों का प्रयास जारी है।

पूर्व छात्र परिषद् ने अपने लक्ष्य में लिए दूसरे कार्य के लिए पाकिस्तान से आए हिन्दू परिवार के बच्चों की शिक्षा के लिए मजनूँ का टीला साहिब गुरुद्वारा के पास यमुना खादर क्षेत्र में रहने वाले परिवारों में जाकर अध्ययन कर पता लगाया कि उनकी शिक्षा का प्रबंध कहाँ और कैसे किया जाए। साथ ही उन परिवारों के बच्चों के लिए दवा, कपड़े एवं रहने की व्यवस्था के लिए प्रयास जारी है।

तीसरा कार्य विद्या भारती संस्कृति ज्ञान परीक्षा के लिए दिल्ली पब्लिक स्कूल (डी.पी.एस.) एवं केन्द्रीय विद्यालय संगठन के सभी विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्रों में भी भारतीय संस्कृति के प्रति जागरूकता उत्पन्न हो, इस हेतु दिल्ली एन.सी.आर. के सभी पूर्व छात्र एवं श्रीमती प्रतिभा अग्रवाल जी की टोली संपर्क हेतु दिल्ली के इन विद्यालयों में अनवरत प्रवास कर रहे हैं।

## प्रांतीय प्रधानाचार्य बैठक

विद्या भारती की प्रांतीय समिति लोक शिक्षा समिति, बिहार के तत्वावधान में महावीरी सरस्वती विद्या मंदिर, बरहन गोपाल, सीवान में दिनांक 22 से 23 अक्टूबर 2019 तक चली दो दिवसीय प्रांतीय प्रधानाचार्य बैठक आयोजित हुई। बैठक का शुभारंभ क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री ख्याली राम जी, प्रदेश सचिव श्री नकुलकुमार शर्मा, प्रदेश सह सचिव श्री अजय तिवारी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री ख्यालीराम जी ने प्रधानाचार्यों को संबोधित करते हुए कई महत्त्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए। शिक्षा में गुणवत्ता एवं विद्यालय विकास जैसे कई महत्त्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा विमर्श किया गया।

बैठक में उत्तर बिहार के विभिन्न विद्यालयों से 27 प्रधानाचार्य शामिल हुए।

सेवा में

**प्रकाशक एवं मुद्रक :** श्री ललित बिहारी गोस्वामी, महामंत्री, विद्याभारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान, प्रज्ञा सदन, गो.ला.त्रे. सरस्वती बाल मंदिर परिसर, म.गाँ. मार्ग, नेहरू नगर, नई दिल्ली-110065, के लिए हिन्दुस्तान ऑफसेट प्रेस, ए-26, नारायणा इण्डस्ट्रीयल एरिया, फेस-2, नई दिल्ली-110028 से मुद्रित एवं विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान, प्रज्ञा सदन, गो.ला.त्रे. सरस्वती बाल मंदिर परिसर, म.गाँ. मार्ग नेहरू नगर, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित। **संपादक :** श्री ललित बिहारी गोस्वामी, फोन : 011-29840013